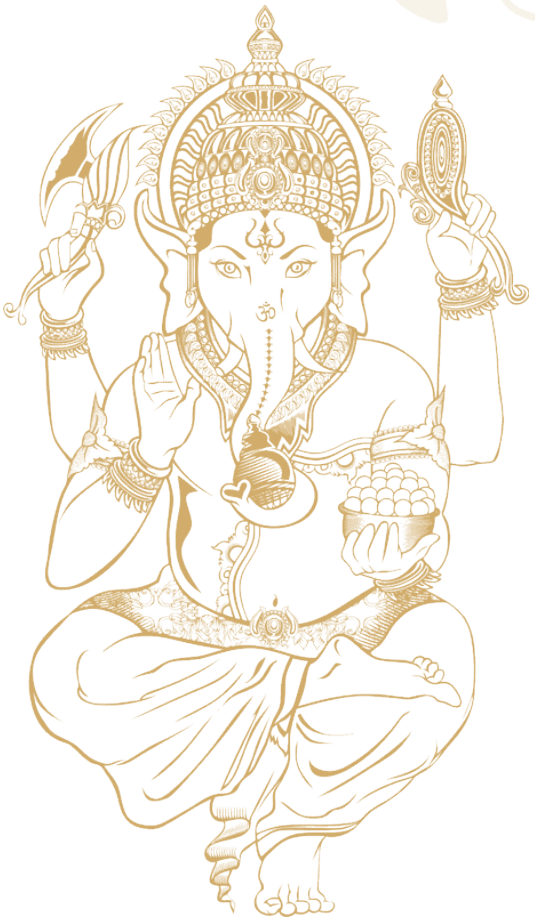

31 May 1988

04:00 AM

Nawashahr

Model: web-freekundliweb

Order No: 121124404

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**30-31/05/1988**
दिन	सोम-मंगलवार
जन्म समय	**04:00:00 घंटे**
इष्ट	56:32:30 घटी
स्थान	**Nawashahr**
राज्य	Punjab
देश	India

अक्षांश	31:06:00 उत्तर
रेखांश	76:09:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:25:24 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	03:34:36 घंटे
वेलान्तर	00:02:30 घंटे
साम्पातिक काल	20:09:11 घंटे
सूर्योदय	05:23:00 घंटे
सूर्यास्त	19:23:10 घंटे
दिनमान	14:00:10 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	16:00:28 वृष
लग्न के अंश	21:14:21 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**वृश्चिक - मंगल**
नक्षत्र-चरण	**अनुराधा - 2**
नक्षत्र स्वामी	शनि
योग	शिव
करण	विष्टि
गण	देव
योनि	मृग
नाड़ी	मध्य
वर्ण	विप्र
वश्य	कीटक
वर्ग	सर्प
युँजा	मध्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	नी-नीरज
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	21:14:21	450:04:39	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	गुरु	---
सूर्य			वृष	16:00:28	00:57:30	रोहिणी	2	4	शुक्र	चंद्र	शनि	शत्रु राशि
चंद्र			वृश्चि	09:26:20	13:36:03	अनुराधा	2	17	मंगल	शनि	शुक्र	नीच राशि
मंगल			कुंभ	11:45:07	00:37:30	शतभिषा	2	24	शनि	राहु	शनि	सम राशि
बुध			मिथु	03:02:56	00:04:38	मृगशिरा	3	5	बुध	मंगल	शुक्र	स्वराशि
गुरु			मेष	25:34:44	00:13:49	भरणी	4	2	मंगल	शुक्र	बुध	मित्र राशि
शुक्र	व		मिथु	05:20:48	00:20:08	मृगशिरा	4	5	बुध	मंगल	सूर्य	मित्र राशि
शनि	व		धनु	07:01:03	00:03:58	मूल	3	19	गुरु	केतु	राहु	सम राशि
राहु	व		कुंभ	25:55:04	00:11:36	पू०भाद्रपद	2	25	शनि	गुरु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	25:55:04	00:11:36	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	शत्रु राशि
हर्ष	व		धनु	06:09:43	00:02:14	मूल	2	19	गुरु	केतु	राहु	---
नेप	व		धनु	15:53:33	00:01:21	पूर्वाषाढ़ा	1	20	गुरु	शुक्र	सूर्य	---
प्लूटो	व		तुला	16:42:38	00:01:25	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	शुक्र	---
दशम भाव			मक	06:24:52	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	बुध	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:41:45

लग्न-चलित

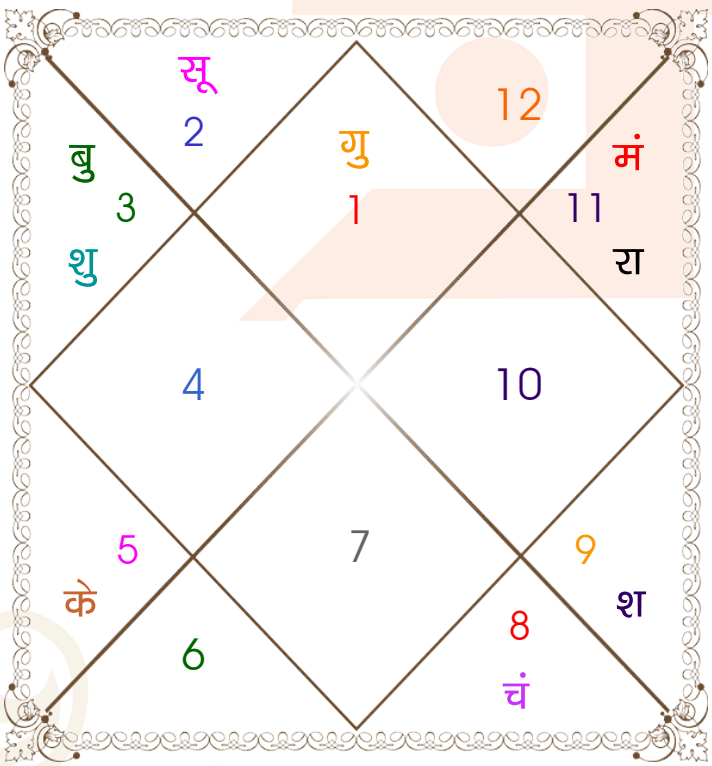

चन्द्र कुंडली

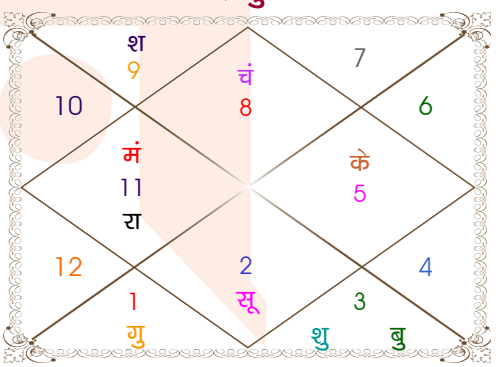

नवमांश कुंडली

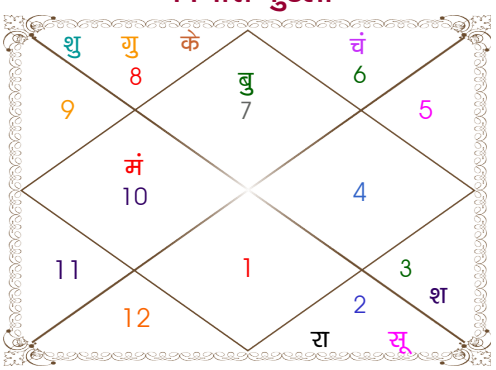

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : शनि 10 वर्ष 3 मास 18 दिन

शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष	
31/05/1988		18/09/1998		18/09/2015		18/09/2022		18/09/2042	
18/09/1998		18/09/2015		18/09/2022		18/09/2042		17/09/2048	
	00/00/0000	बुध	13/02/2001	केतु	14/02/2016	शुक्र	17/01/2026	सूर्य	05/01/2043
	00/00/0000	केतु	10/02/2002	शुक्र	15/04/2017	सूर्य	17/01/2027	चंद्र	07/07/2043
	31/05/1988	शुक्र	11/12/2004	सूर्य	21/08/2017	चंद्र	17/09/2028	मंगल	12/11/2043
शुक्र	08/09/1989	सूर्य	18/10/2005	चंद्र	22/03/2018	मंगल	17/11/2029	राहु	05/10/2044
सूर्य	21/08/1990	चंद्र	19/03/2007	मंगल	18/08/2018	राहु	17/11/2032	गुरु	25/07/2045
चंद्र	22/03/1992	मंगल	15/03/2008	राहु	06/09/2019	गुरु	19/07/2035	शनि	07/07/2046
मंगल	30/04/1993	राहु	03/10/2010	गुरु	12/08/2020	शनि	18/09/2038	बुध	13/05/2047
राहु	06/03/1996	गुरु	08/01/2013	शनि	20/09/2021	बुध	19/07/2041	केतु	18/09/2047
गुरु	18/09/1998	शनि	18/09/2015	बुध	18/09/2022	केतु	18/09/2042	शुक्र	17/09/2048

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
17/09/2048		18/09/2058		17/09/2065		18/09/2083		18/09/2099	
18/09/2058		17/09/2065		18/09/2083		18/09/2099		00/00/0000	
चंद्र	19/07/2049	मंगल	14/02/2059	राहु	31/05/2068	गुरु	05/11/2085	शनि	22/09/2102
मंगल	17/02/2050	राहु	03/03/2060	गुरु	24/10/2070	शनि	18/05/2088	बुध	01/06/2105
राहु	18/08/2051	गुरु	07/02/2061	शनि	30/08/2073	बुध	24/08/2090	केतु	11/07/2106
गुरु	17/12/2052	शनि	19/03/2062	बुध	19/03/2076	केतु	31/07/2091	शुक्र	01/06/2108
शनि	19/07/2054	बुध	16/03/2063	केतु	06/04/2077	शुक्र	31/03/2094		00/00/0000
बुध	18/12/2055	केतु	12/08/2063	शुक्र	06/04/2080	सूर्य	17/01/2095		00/00/0000
केतु	18/07/2056	शुक्र	11/10/2064	सूर्य	01/03/2081	चंद्र	18/05/2096		00/00/0000
शुक्र	19/03/2058	सूर्य	16/02/2065	चंद्र	30/08/2082	मंगल	24/04/2097		00/00/0000
सूर्य	18/09/2058	चंद्र	17/09/2065	मंगल	18/09/2083	राहु	18/09/2099		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल शनि 10 वर्ष 2 मा 28 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगे। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकते हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने का सघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगे। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगे।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगे। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करते है। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आपको एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगे तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगे। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपके क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेते हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपना संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगे। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आशक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगे। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन संबंध

का निर्वाह करोगे वह संबंध किसी खास यौन रोग के उत्पत्ति का कारक होगा। अतः सावधानी पूर्वक कुछ समय हेतु किसी नारी के साथ भ्रमण सैर सपाटा कर लें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य संतुष्टि प्रदान नही करेगा।

आप शरीर से दुबले-पतले परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगे। आपकी ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए, आपको सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को उलंघन पार करें।

आप सदैव ही आपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए साथ ही लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।